दृष्टि The Vision

6 SEP 2019

drishti

# GENERAL STUDIES (Module – 10)

DTVF/19 (N-M)–M–**GS20**

निर्धारित समयः तीन घंटे
*Time allowed: Three Hours*

अधिकतम अंकः 250
*Maximum Marks: 250*

**Name:** SUNIL

**Mobile Number:**

**Medium (English/Hindi):** HINDI

**Reg. Number:** AWAKE-19/B013

**Center & Date:** DELHI 06/09/19

**UPSC Roll No. *(If allotted)*:** 7105726

## प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

***कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ेंः***

*इसमें तेरह प्रश्न हैं तथा हिन्दी और अंग्रेज़ी दोनों में छपे हैं।*

*सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।*

*प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।*

*प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।*

*प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।*

*प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।*

## QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

***Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:***

*There are **THIRTEEN** questions printed both in **HINDI** and in **ENGLISH**.*

*All the questions are compulsory.*

*The number of marks carried by a question is indicated against it.*

*Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.*

*Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.*

*Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.*

केवल मूल्यांकनकर्त्ता द्वारा भरा जाए *(To be filled by Evaluator only)*

| Question Number | Marks | Question Number | Marks |
|---|---|---|---|
| 1 (a) | | 6 (b) | |
| 1 (b) | | 7 (a) | |
| 2 (a) | | 7 (b) | |
| 2 (b) | | 8 | |
| 3 (a) | | 9 | |
| 3 (b) | | 10 | |
| 4 | | 11 | |
| 5 (a) | | 12 | |
| 5 (b) | | 13 | |
| 6 (a) | | | |
| Grand Total ( सकल योग ) | | | |

मूल्यांकनकर्त्ता ( हस्ताक्षर )
*Evaluator (Signature)*

पुनरीक्षणकर्त्ता ( हस्ताक्षर )
*Reviewer (Signature)*

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517

## खंड - क / SECTION - A

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

1. (a) मानव आचरण के तरीके को निर्धारित करने में नैतिक सापेक्षवाद की भूमिका नैतिक निरपेक्षता की तुलना में अधिक महत्त्वपूर्ण है। परीक्षण कीजिये। (150 शब्द)

Moral relativism has a more important role in determining the course of human conduct than ethical absolutism. Examine. (150 Words) 10

<u>नैतिक सापेक्षवाद</u> = विचारधारा, जो मानती है कि नैतिक नियम और मूल्य समय, देश, संस्कृति, समाज आदि के सापेक्ष होते है। ये इनकी प्रवृत्ति निर्धारण में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते है।

<u>नैतिक निरपेक्षवाद</u> = विचारधारा, जो मानती है कि नैतिक मूल्य सभी जगह एक समान होते है। इतिहास, संस्कृति आदि का इन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है।

<u>मानव आचरण निर्धारण में</u>



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

## दोनों की तुलनात्मक भूमिका

ii) नैतिक सापेक्षतावाद का तत्कालीन परिस्थितियों के अनुरूप होने के कारण आपसी संघर्षों में कमी फलतः मानव आचरण पर अधिक प्रभाव।

iii) समाजीकरण व सामाजिक दबाव द्वारा आचरण निर्धारण के तरीकों का भी नैतिक सापेक्षतावाद के पक्ष में होना।

iiii) मूल्यों के पालन में आसानी

यद्यपि सत्यनिष्ठा, वस्तुनिष्ठता जैसे मूल्यों को निरपेक्ष रूप से स्वीकार किया जाता है, तथापि नैतिक सापेक्षवाद को अधिक महत्वपूर्ण कारक माना जा सकता है।



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(b) एक लोक सेवक के लिये कानून और अंतरात्मा के मध्य का चुनाव हमेशा कठिन होता है। एक उपयुक्त उदाहरण के साथ ऐसी स्थिति में उत्पन्न होने वाली दुविधा को स्पष्ट कीजिये। (150 शब्द)

Between law and conscience, the choice of a public servant is always difficult. Explain the dilemma arising in such a situation with an appropriate example. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

कानून व अंतरात्मा व्यवस्था बनाए रखने के साधन है

कानून = अधिक औपचारिक साधन ; जो बाध्यकारी व दण्डकारी होता है। यह संप्रभु का आदेश होता है।

अंतरात्मा : व्यक्ति के भीतर सद्गुणों का समूह, जो उसे मार्गदर्शन देता है। यह अमूर्त होता है।

व्यवहार में कई बार दोनों के बीच में द्वंद्व भी देखा जा सकता है। यथा -

किसी गरीब, असहाय व्यक्ति का किसी योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए लोकसेवक



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

के पास आना ; परंतु लाभ प्राप्त करने हेतु निर्धारित मानदंडों में से कुछ को उसके द्वारा पूरा न किया जाना।

ऐसी स्थिति में कानून उसकी मदद नहीं की जा सकती ; परंतु अंतरात्मा मदद का आह्वान करती है।

उपाय = (i) किसी प्रकार की कागजी कमी को पूरा करने हेतु प्रक्रिया में मदद करना।
(ii) इसी योजनाओं के तहत लाभ पहुँचाना आदि

ऐसी स्थिति में भावनात्मक समझ, स्वविवेकाधीन शक्ति व प्रशासनिक मूल्यों के अनुरूप प्रयोग करके समस्या समाधान किया जाना चाहिए



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

2. (a) यदि भ्रष्टाचार के विरूद्ध लड़ाई को संस्थागत रूप दिया जाता है, तो इस पर प्रभावी रूप से अंकुश लगाया जा सकता है, जबकि व्यक्तिगत पहल की अपनी सीमाएँ हैं। टिप्पणी कीजिये। (150 शब्द)

Corruption can be effectively curbed if the fight against it is institutionalised, as the individual initiative has its limitations. Comment. (150 Words) 10

भ्रष्टाचार = सार्वजनिक जीवन में नैतिकता की कमी; जो रिश्वतखोरी, भाई-भतीजावाद, संरक्षणवाद आदि तत्वों के रूप में प्रकट होती है।

भ्रष्टाचार नियंत्रण के तरीके.

(1) व्यक्तिगत पहल - जैसे स्टिंग ऑपरेशन आदि।

सीमाएँ = a. विश्वसनीयता के पर्याप्त स्तर की कमी।
b. पर्याप्त पहुँच का अभाव।
c. आरोपी द्वारा डराने-धमकाने की संभावना में वृद्धि।
d. हित संघर्ष भी उत्पन्न हो जाना।

(2) संस्थागत स्वरूप = जैसे - लोकपाल, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो,



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

व्हिसलब्लोअर आदि के माध्यम से शिकायत करना, संस्थाओं के माध्यम से जाँच करना।

<u>महत्व</u> - a. विश्वसनीयता के संकट को दूर करने में मदद।

b. जाँच प्रक्रिया में तीव्रता तथा अधिक निष्पक्षता का समावेशन।

c. शिकायत कर्ता के भी सुरक्षा की प्राप्ति।

d. जनता की अधिकाधिक भागीदारी सुनिश्चित हो पाना।

e. कार्य की वैधता भी बने रहना।

इसी क्रम में संस्थाओं - CBI, CVC, ED, लोकपाल आदि के सशक्तीकरण के महत्व को स्वीकार किया जाता है।



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(b) शासन में शुचिता बढ़ने से हमेशा भ्रष्टाचार में कमी नहीं होती है। क्या आप इस बात से सहमत हैं? उदाहरण सहित अपने तर्क को प्रमाणित कीजिये। (150 शब्द)

Increase of probity in governance does not always result in decrease of corruption. Do you agree? Substantiate your argument with examples. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

शासन में शुचिता = ईमानदारी पूर्वक (कथनी व करनी में अंतर न करना) कार्यों का संपादन करना

शुचिता का हमेशा भ्रष्टाचार कम करने में सफल न रहना -

(i) लोकसेवक द्वारा प्रक्रियागत व्यवस्था का पालन करना। इससे कार्य की वैधानिकता व शुचिता तो बनी रहती है; परंतु कार्य की दक्षता घट जाने, प्रभावोत्पादकता कम हो जाने से भ्रष्टाचार के नए रूपों को बल मिलता है।

(ii) सिद्धांतों के अनुसार कार्य करने से शुचिता का पालन संभव; किंतु कारण, भावनात्मक समस्या, हित संघर्ष जैसे



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

पहलुओं पर ध्यान न देने से सम्प्रदायवाद, जन शिकायत निवारण के प्रति उदासीनता के कारण भ्रष्टाचार के मूल जड़ों का प्रविष्ट हो जाना।

कारण :- i) मूल्यों में आंतरिक संघर्ष होना।
ii) सिद्धांत व व्यवहार में अंतर होना।
iii) आचरण संहिता का पर्याप्त, प्रभावी व व्यापक न होना।

इसी कारण सत्यनिष्ठा (विभिन्न मूल्यों के एकीकरण) को अधिक महत्त्वपूर्ण माना जाता है, ताकि विभिन्न मूल्यों के बीच मतभेदों को कम करके प्रशासन के वास्तविक उद्देश्य - ~~समाज~~ सार्वजनिक हित, लोकतांत्रिक विकास आदि को प्राप्त किया जा सके।


www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

3. (a) अभिवृत्ति पद से आप क्या समझते हैं? क्या विभिन्न प्रकार की अभिवृत्तियाँ एक दूसरे को प्रभावित कर सकती हैं? (150 शब्द)

What do you understand by the term attitude? Can different types of attitude influence each other? (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

अभिवृत्ति = एक मनोदशा; जिसमें व्यक्ति सामाजिक तथा भौतिक विश्व में होने वाली घटनाओं, विचारों, भावों के प्रति प्रतिक्रिया करता है।

- अभिवृत्ति में भावनात्मक, संज्ञानात्मक तथा व्यवहारात्मक (ABC मॉडल) घटकों को शामिल किया जाता है।
- अभिवृत्ति का अध्ययन कर यह पता लगाया जा सकता है कि भविष्य में किसी घटना के प्रति व्यक्ति कैसा व्यवहार करेगा।
- विभिन्न प्रकार -
  राजनैतिक मनोवृत्ति
  सामाजिक मनोवृत्ति
  नैतिक मनोवृत्ति
  व्यावसायिक मनोवृत्ति आदि।


Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

इन अभिवृत्तियों का एक दूसरे पर प्रभाव -

i) सकारात्मक सामाजिक मनोवृत्ति (संघर्षों को सुलझाना, मेल-भाव आदि) होने पर उसी अनुरूप नैतिक मनोवृत्ति (करुणा, भावनात्मक समझ) का विकास।

ii) सकारात्मक नैतिक मनोवृत्ति होने पर स्वस्थ राजनैतिक मनोवृत्ति का विकास। यथा- जनता से जुड़ाव, अनैतिक साधनों का प्रयोग न करना।

iii) नकारात्मक व्यावसायिक नैतिकता (मात्र स्वार्थपूर्ति आदि) पर का सामाजिक मनोवृत्ति पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

इसी कारण परिवार, समाज, शिक्षण संस्थाओं द्वारा सकारात्मक मनोवृत्ति के निर्माण को स्वीकारा जाता है।



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

3. (b) निर्णयन लेने में विवेक की भूमिका का उदाहरण सहित विश्लेषण कीजिये। (150 शब्द)

Analyze with an example, the role of discretion in decision making. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

विवेक = सही या गलत के प्रति व्यक्ति की नैतिक समझ। यह सद्गुणों का समुच्चय होता है, जो जटिल परिस्थितियों में मार्गदर्शन किया देता है।

प्रकृति : (i) अमूर्त
(ii) व्यावहारिकता से संबंधित
(iii) सामाजिक परिप्रेक्ष्य में प्रयोग

निर्णयन में विवेक की भूमिका

(i) लोक सेवक द्वारा आपदा से बचाव कार्य के समय प्राथमिकता निर्धारण से अधिकाधिक लोगों की जान बचाने हेतु विवेक से कार्य किया जाना

(ii) व्यक्ति द्वारा अध्ययन काल में विवेक से ~~[illegible]~~ उच्च



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

शिक्षा हेतु शाखा का चयन करना यथा- रुचि, अभ्यास, आर्थिक स्थिति, भविष्य की संभावनाएँ आदि को ध्यान में रखना।

iii) विवेक से निर्णयन का तीव्र हो जाना। जिससे आवश्यकता लागत कम हो जाती है।

समस्या-

i) विवेकाधीन निर्णय हेतु पर्याप्त व विश्वसनीय डाटा का अभाव।

ii) परिस्थितियों का निरंतर बदलते रहना।

उपाय-

i) सत्यनिष्ठा व भावनात्मक समझ जैसे गुणों को व्यवहार में लाना।

ii) परिस्थितियों के अनुरूप अनुकूलन क्षमता विकसित करना।



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

4. उपयुक्त उदाहरणों के साथ निम्नलिखित पदों के बीच के संबंध को समझाइये: (150 शब्द)

Explain with appropriate examples the relationship between the following terms:

(150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(a) ईमानदारी तथा सत्यनिष्ठा (Honesty and Integrity)

सत्यनिष्ठा = विभिन्न मूल्यों, सिद्धांतों, मानदंडों को एकीकृत करना तथा उनमें आपसी संघर्ष को रोकना एवं नैतिक मूल्यों को धारण करने तथा व्यवहार में लाने की प्रवृत्ति है।

ईमानदारी = कथनी व करनी में अंतर न करना।

संबंध -

(i) एक ईमानदार व्यक्ति का सत्यनिष्ठ होना आवश्यक नहीं है परंतु सत्यनिष्ठ होने के लिए ईमानदार होना आवश्यक है। जैसे -

ईमानदारी = विश्वास करना कि दूर्व धरती के चारों ओर चक्कर लगाता है तथा अपनी बात पर टिके रहना।

सत्यनिष्ठा = वास्तविकता की जाँच का निर्णय लेना।



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(b) शासन, सुशासन तथा कॉर्पोरेट प्रशासन (Governance, Good governance and Corporate governance)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

शासन = सरकार द्वारा जनता के प्रबंधन, नियमन हेतु की जाने वाली विभिन्न क्रियाएँ।

सुशासन = शासन में उत्तरदायित्व, पारदर्शिता, जन-भागीदारी जैसे तत्वों को शामिल करना।

कॉर्पोरेट शासन = कंपनी एक्ट के तहत गठित संस्थानों में मूल्यों का निर्धारण। साथ ही निजी क्षेत्र के मूल्यों का अन्य क्षेत्रों में भी प्रयोग। जैसे दक्षता, समयबद्धता आदि।

तीनों विधाएँ सिद्धांतों के निर्धारण (सत्ता/कार्य-जनता/ग्राहक) के व्यावहारिक स्वरूप देती हैं, जिनमें मूल्यों का आपसी विनिमय होता रहता है जैसे कॉर्पोरेट शासन में CSR का प्रयोग।


Copyright – Drishti The Vision Foundation

5. (a) क्या आप इस बात से सहमत हैं कि कभी-कभी नियम एवं कानून समाज में नैतिक भ्रष्टाचार का आधार बन जाते हैं? (150 शब्द)

Do you agree that sometimes rules and laws become the basis for moral corruption in society? (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

नियम व कानून : व्यवस्था संचालन के औपचारिक नियम, जो सभी पर लागू होते हैं तथा सार्वभौमिक होते हैं।

नैतिक भ्रष्टाचार : प्रक्रियागत व्यवहार पर अधिक बल देना, जिससे सिद्धांत व व्यवहार में अंतर उत्पन्न हो जाना।

कानून द्वारा नैतिक भ्रष्टाचार को बढ़ावा -

(i) प्रक्रियागत जटिलता के कारण करुणा, उत्तरदायिता जैसे तत्वों का ह्रास होना।

(ii) वस्तुनिष्ठता पर अत्यधिक बल देने के कारण हीनतम को अधिकतम लाभ के सामाजिक



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

न्याय के सिद्धांत के ह्रास से नैतिक भ्रष्टता बढ़ना।

iiii) सिद्धांतों पर अधिक बल देने पर व्यवहारगत चुनौतियों का समाधान न निकाल पाना। जैसे लाभार्थियों के योजना के लाभ वितरण में कई वंचितों का पीछे छूट जाना।

काारण -

i) मूल्यों के बीच समन्वय बनाए रखने की क्षमता का अभाव।

iii) आचरण संहिता का पर्याप्त विस्तृत न होना।

iiii) रूढ़िवादी मनोवृत्ति।

उपाय -

i) विकास प्रशासन को बढ़ावा।

ii) साक्ष्य आधारित नीति निर्माण व क्रियान्वयन, ताकि नियम व कानून अधिकाधिक वास्तविकता के निकट हो।



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright - Drishti The Vision Foundation

5. (b) कृत्रिम बुद्धिमत्ता (ए.आई.) तथा इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आई.ओ.टी.) के लिये एक नैतिक ढाँचे को विकसित करने की आवश्यकता पर चर्चा कीजिये। (150 शब्द)

Discuss the need for developing an ethical framework for Artificial Intelligence (AI) and Internet of Things (IoT). (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

कृत्रिम बुद्धिमत्ता तथा इंटरनेट ऑफ थिंग्स विज्ञान - तकनीक आधारित प्रणालियाँ है, जो वर्तमान में केवल तुलना संग्रह स्थल की बजाय तर्क व बुद्धिमत्ता से निर्णय लेने की क्षमता अर्जित कर रहे है। इन क्षेत्रों में नैतिक ढाँचे को

विकसित करने की आवश्यकता क्यों?

(i) सोफिया रोबोट को मानव का दर्जा देने जैसे मुद्दों के कारण मशीन - मानव व्यवहार को विनियमित करने की आवश्यकता।

(ii) AI रोबोट आदि के दुरुपयोग को रोकना संभव अन्यथा मानव विनाशकारी कृत्यों में प्रयोग संभव

(iii) नैतिक ढाँचे के निर्माण द्वारा



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

इसके विकास की दिशा को तय किया जाना जरूरी, ताकि मानव कल्याण को प्राथमिकता मिले, न कि प्रतिस्पर्धा को।

iv) नैतिक ढाँचा निर्माण न करने पर भविष्य में मानव-मशीन संघर्ष के बढ़ने की संभावना।

नैतिक ढाँचा निर्माण में समस्या

i) बहुराष्ट्रीय कंपनियों का विरोध (निजी स्वार्थ के कारण)।

ii) अनुसंधान की व्यापकता पर पड़ सकने वाला नकारात्मक प्रभाव।

iii) नैतिक नियम निर्धारण का चुनाव कैसे किया जाए?

उपाय –

i) नियम निर्माण में वास्तविक सहभागिता को सुनिश्चित करना, ताकि भविष्य में उल्लंघन व संघर्ष को रोका जा सके।

ii) नैतिक ~~निरपेक्षतावाद~~ के सिद्धांत को अपना


www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation
उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

6. (a) कार्य संस्कृति क्या है? क्या आपको लगता है कि विभिन्न प्रकार के संगठनों में अलग-अलग कार्य संस्कृति पाई जाती है? (150 शब्द)

Explain what is work culture. Do you think that different types of organizations have different work culture? (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

कार्यसंस्कृति = कार्यस्थल पर सहयोग का वातावरण निर्मित करना, ताकि प्रयासों को व्यवस्थित किया जा सके व लक्ष्य प्राप्ति संभव हो सके। यह विभिन्न गुणों के समावेशन से निर्मित होती है

विभिन्न प्रकार के संगठनों में अलग-अलग कार्य संस्कृतियाँ पाई जाना -

i) निजी संगठनों में प्रोत्साहन, प्रतिबद्धता, समानता, दक्षता आदि गुणों पर आधारित कार्यसंस्कृति पाई जाना।

ii) सुरक्षा संस्थानों में गोपनीयता, अधिकारों पर प्राथमिकता प्रतिबंध प्रकार की कार्यसंस्कृति होना।



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

iii) निजी स्वयंसेवी संस्थाएं जैसे NGOs, सहकारी संगठनों में सहयोग, एकमतता, हितों के बीच समन्वय जैसे गुणों की प्रधानता।

iv) जनकल्याण से संबंधित विभागों (मुख्यतः सरकारी) में प्रशासनिक मूल्यों, सिद्धांत आधारित कार्यसंस्कृति का पाया जाना।

अलग-अलग संगठनों में भिन्न-भिन्न कार्यसंस्कृति के कारण -

i) संगठन के उद्देश्य व लक्ष्य।

ii) कार्मिकों की संख्या, विशेषज्ञता स्तर।

iii) जनता से जुड़ाव।

iv) कार्य की प्रकृति आदि।

तथापि वस्तुनिष्ठता, निष्पक्षता, जनकल्याण जैसे गुणों को सभी कार्यसंस्कृतियों में समाहित स्वीकृत किया जाता है।



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

6. (b) मानवीय मूल्यों तथा अन्य मूलभूत मूल्यों के बीच संघर्ष में मानवीय मूल्यों की जीत होनी चाहिये। क्या आप इससे सहमत हैं? उदाहरण सहित अपने तर्क को सिद्ध कीजिये। (150 शब्द)

In case of conflict between human values and other fundamental values, the former should triumph. Do you agree? Justify your argument with an appropriate example. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

मानवीय मूल्य : ये एक मानव होने के नाते संपूर्ण मानवीय समुदाय को निर्देशित करने वाले गुण है, जो सार्वभौमिक व सभी पर लागू होते है। जैसे करुणा आदि।

मानवीय मूल्यों व अन्य मूलभूत मूल्यों के बीच संघर्ष –

(1) अन्य मूलभूत मूल्य : वस्तुनिष्ठता, निष्पक्षता, प्रतिबद्धता आदि।

(2) संघर्ष में मानवीय मूल्यों को वरीयता क्यों ?

a. मूल्यों का वास्तविक उद्देश्य मानव कल्याण है। मूल्य साधन है, जबकि मानव साध्य।

b. वस्तुनिष्ठता जैसे तत्वों पर अधिक बल सकारात्मक विभेदों को नुकसान पहुंचा



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

सकता है, जो सामाजिक न्याय को प्रभावित कर व्यवस्था विचलन का कारण बन सकता है।

(iii) करुणा, दया, सहानुभूति, प्रेम, शांति जैसे मानवीय गुणों का अभाव बुद्धिमत्ता इत्यादि गुणों के विनाशकारी परिणाम भी ला सकता है। जैसे विज्ञान का प्रयोग शस्त्रीकरण में।

(3) संघर्ष के कारण-

a. मूल्यों को व्यापक अर्थ में न समझ पाना।

b. तात्कालिक हित पूर्ति पर अधिक बल देना।

(4) उपाय

a. मूल्यों के बीच के आंतरिक संघर्ष को कम कर पूरक प्रकृति के रूप में देखना।

b. सिद्धांत - व्यवहार अंतराल को



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

7. (a) समूह, भीड़ और उपद्रवी भीड़ जैसे विभिन्न विन्यासों में मानव के आचरण पर सामाजिक प्रभाव और अनुनयन के प्रभाव का विश्लेषण कीजिये। (150 शब्द)

Analyze the impact of social influence and persuasion on the conduct of human beings in different settings like group, crowd and mob. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

सामाजिक प्रभाव = किसी समूह / व्यक्ति के प्रभाव के कारण अन्य व्यक्ति की मनोवृत्ति में परिवर्तन।

अनुनय = व्यक्ति द्वारा किसी समूह / अन्य व्यक्ति की मनोवृत्ति में परिवर्तन लाना।

समूह, भीड़, उपद्रवी भीड़ में मानव आचरण पर उपरोक्त तत्वों का

प्रभाव -

(i) भीड़ हत्या जैसी घटनाओं को रोकने में, उपद्रवी भीड़ को शांत करने में अनुनय की भूमिका।

(ii) भीड़ में सामूहिकता का गुण होने के कारण व्यक्ति की तात्कालिक मनोवृत्ति कई



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

द्वार पृष्ठभूमि में चली जाती है तथा वह भीड़ से प्रभावित होकर उनके कार्यों में संलग्न हो जाता है। जैसे रैली, आंदोलन आदि।

iii) समूह के सामाजिक प्रभाव द्वारा व्यक्ति की मनोवृत्ति में परिवर्तन लाना संभव। जैसे सामाजिक दबाव के कारण लैंगिक हिंसा घटनाओं में कमी।

• इसी प्रकार योग्य नेतृत्व द्वारा अनुनय का प्रयोग कर समूह को दिशा प्रदान करना। जैसे नक्सलियों आदि का पुनर्वास आदि।

वस्तुतः मानव के सामाजिक प्राणी होने व भावनाओं के एक महत्त्वपूर्ण मानवीय घटक होने के कारण उपरोक्त स्थितियाँ निर्मित होती है।



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

7. (b) लोक सेवकों में भावनात्मक बुद्धिमत्ता के विकास की चुनौतियों की चर्चा कीजिये। (150 शब्द)

Discuss the challenges of inculcating emotional intelligence in public servants. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भावनात्मक बुद्धिमत्ता = अपनी भावनाओं को समझना तथा प्रबोधित करना ; दूसरों की भावनाओं को समझना तथा विश्लेषित करना और लक्ष्य प्राप्ति में इन भावनाओं को एकीकृत करना।

• तर्क व भावना का समन्वय करना।

लोक सेवकों में भावनात्मक बुद्धिमत्ता के विकास में चुनौतियां.

(i) अनुचित राजनीतिक दबाव।

(ii) प्रक्रियागत जटिलता के कारण मनोवृत्ति का रूढ़िवादी बनते जाना।

(iii) नवाचार, सृजनात्मकता को प्रोत्साहन का अभाव।

(iv) जनता व प्रशासन के



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

सोच निर्णयों में अलगाव।
iv) व्यक्तिगत मूल्यों - सत्यनिष्ठा, करुणा आदि का अभाव।
(v) तर्कशीलता का स्तर अपेक्षाकृत न होना। कार्यों में निरंतरता (consistency) का अभाव।

उपाय -
i) पर्याप्त व व्यावहारिक प्रशिक्षण।
ii) प्रशासनिक चर्चा, संवाद, वाद-विवाद में भाग लेना।
iii) अनौपचारिक साधन जैसे योग आदि का प्रयोग।
iv) आचरण संहिता व प्रभावी क्रियान्वयन। ताकि असफलता को दूर किया जा सके।

इससे प्रशासन को विकास प्रशासन की दिशा में मोड़ा जा सकता है।


www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

## खंड - ख / SECTION - B

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

8. अमृता एक सरकारी विभाग में युवा आई.ए.एस. अधिकारी हैं। इस विभाग में कुछ समय कार्य करने के पश्चात् उसे ज्ञात होता है कि महिला कर्मचारियों का पद पुरुष कर्मचारियों की तुलना में गौण है। पुरुष कर्मचारी वरिष्ठ महिला अधिकारियों से आदेश नहीं लेना चाहते हैं; इसके अतिरिक्त महिलाओं को महत्त्वपूर्ण विभागीय परियोजनाओं में शामिल नहीं किया जाता है और उनका उपहास बनाया जाता है, और यहाँ तक कि इस प्रकार की परियोजनाओं में शामिल होने से भी हतोत्साहित किया जाता है।

अमृता को अनौपचारिक माध्यम से ज्ञात होता कि विभाग प्रमुख भी इसी मानसिकता एवं मान्यताओं का अनुगामी है और उसका मानना है कि महिलाओं को इस विभाग में नहीं भेजा जाना चाहिये।

अमृता द्वारा कौन-से कदम उठाए जाने चाहिये जिससे कार्य संस्कृति महिलाओं के अनुकूल हो।
(250 शब्द)

Amrita, a young IAS officer, has joined a government department. After working for a while in this department, she realizes that position of women staff is subservient to male staff. Male staff don't want to take orders from senior women officers. Moreover, women are not taken on serious departmental projects and are derided, and even discouraged even from attempting such a project.

Amrita through informal channels comes to know that even the Head of the Department is of the same mindset and believes that women should not be sent to this department.

Discuss the course of action Amrita should take so that the work culture becomes conducive for women. (250 Words) 20

उपरोक्त प्रकरण कार्यस्थल पर महिलाओं की समान भागीदारी न होने की ओर इशारा करता है जो मात्रात्मकता से आगे बढ़कर गुणात्मक भागीदारी के अभाव को भी दर्शाता है।

प्रकरण में -

| हितधारक | हित |
|---|---|
| i) मैं (अमृता) | • कार्यसंस्कृति |



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लि चाहिये।
(Candidate must write on this mar

को महिलाओं के अनुकूल बनाना।

ii) महिला कर्मचारि : समान भागीदारी सुनिश्चित करना।

iii) विभाग प्रमुख : विभाग में महिलाएँ कम से कम आए।

iv) पुरुष कर्मचारि : अपना वर्चस्व बनाए रखना।

प्रकरण में समस्या समाधान हेतु आवश्यक मूल्य -

i) सत्यनिष्ठा
ii) निष्पक्षता
iii) भावनात्मक समझ
iv) करुणा
v) वस्तुनिष्ठता।

कार्यवाही -

i) सर्वप्रथम महिला कर्मचारियों से संवाद करूँगी ताकि उन्हें हतोत्साहित होने से रोक सकूँ।



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

साथ ही उनमें आत्मविश्वास
जगाने का प्रयास करेगी तथा
निर्णयन करने में प्रयास करेगी।

iii) प्रत्येक कर्मचारियों से भी
भावनात्मक समझ का प्रयोग करने
वाला करेगी कि महिलाओं की
बढ़ती भागीदारी न केवल विविधता,
नवाचार को प्रोत्साहित करती है;
बल्कि अंतर्दृष्टि स्तर पर इससे
उत्पादकता में भी वृद्धि [illegible] के उदाहरण
जैसे विभिन्न निजी कंपनियां
मिले हैं। व्यवसाय लक्ष्य प्राप्त में भी
सहायता मिल सकती है।

iii) महिलाओं की बढ़ती भागीदारी
कार्यस्थल के साथ पारिवारिक
स्तर पर भी महिलाओं के प्रति
उनकी मनोवृत्ति को सकारात्मक
बनाएगी, जो उनके लिए भी
लाभकारी है।

iv) साथ ही वरिष्ठ महिला
कर्मचारियों के आदेशों का



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

पालन न मानना ~~आचरण~~ आचरण संहिता के विरुद्ध है अतः उन पर विभागीय कार्यवाही हो सकती है। यह कार्यस्थल पर लैंगिक विभेद कानून का भी उल्लंघन है।

iv) अनुराग की इस प्रक्रिया से न केवल कार्यसंस्कृति पर अच्छा प्रभाव पड़ेगा, बल्कि मन-मुटाव भी नहीं होगा। न मानने पर विभागीय कार्यवाही की जाएगी, ताकि अन्य भी उससे सीख ले सकें।

vi) विभाग प्रमुख से भी इस मुद्दे पर चर्चा की जाएगी कि उनके इस व्यवहार से प्रशासनिक लक्ष्यों पर भी बुरा असर पड़ रहा है। साथ ही यह व्यावसायिक नैतिकता के भी अनुरूप नहीं है।

vii) उपरोक्त उपायों के असफल होने पर उच्च अधिकारियों से शिकायत की जाएगी, ताकि भेदभाव को रोका जा सके।


www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

9. राज्य के एक पिछड़े जिले में विद्यालय में बच्चों की उपस्थिति में अचानक आई गिरावट के पश्चात् यह पाया गया कि उच्च जाति के लोग अपने बंच्चों को विद्यालय जाने की अनुमति नहीं दे रहे हैं क्योंकि विद्यालय में निम्न जाति के बच्चों को दाखिला दिया गया है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उच्च जाति के लोग दवाव बना रहे हैं कि उनके बच्चे न तो निम्न जाति के बच्चों के साथ बैठेंगे और न ही उनके साथ भोजन करेंगे। उच्च जाति के लोग अपने निर्णय पर अटल हैं और चाहते हैं कि विद्यालय प्रशासन निम्न जाति के बच्चों को पहले विद्यालय से निष्कासित करें और इसके पश्चात् ही उनके बच्चे विद्यालय जाएंगे।

(a) उपरोक्त मामले में निहीत नैतिक मुद्दों की चर्चा कीजिये।

(b) जिलाधिकारी के रूप में आप उन्हें अपने बच्चों को विद्यालय भेजने हेतु तैयार करने के लिये कौन-से प्रभावी उपाय अपनाएंगे? (250 शब्द)

In a backward district of a state, after a sudden drop in school attendance, it was found that the upper caste people are not allowing their children to go to school because the school has admitted children from the lower caste.

Upper caste people are insisting that their children will not sit or have food with lower caste children. Upper caste people are adamant on their position and want school administration to first expel the lower-caste students from the school and then only their children will attend school.

(a) Discuss the ethical issues in the above case.

(b) As a District Magistrate, what effective measures will you undertake to convince them to send their children to school? (250 Words) 20

उपरोक्त केस स्टडी समाज में व्याप्त जातिगत विभेद मानसिकता को दर्शाती है, जिसके कारण समावेशिता प्रक्रिया बाधित हो रही है।

केस स्टडी में निहित-

| हितधारक | हित |
|---|---|
| मैं (जिलाधिकारी) | • विद्यालय में सभी वर्गों/जातियों के बच्चों की पढ़ाई हो |
| उच्च जाति के लोग | • जातिगत |



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

श्रेष्ठता की भावना

निम्न जाति के बच्चे : शिक्षा से वंचित रहते है।

विद्यालय प्रशासन : दोनों समूहों के बीच समन्वय बैठाना

(a) मामले में निहित नैतिक मुद्दे

(i) असमानता का मुद्दा क्योंकि जातिगत आधार पर निम्न जाति के बच्चों पर दबाव बनाया जा रहा है।

(ii) प्रशासन की प्रतिबद्धता का मुद्दा कि किस प्रकार जातिगत विभेदों को कम किया जाए।

(iii) तथाकथित श्रेष्ठ जातियों द्वारा स्वयं की श्रेष्ठता हेतु जाति जैसी रूढ़ियों की सहायता लेने का मुद्दा।

(iv) निम्न जाति के बच्चों के लिए शिक्षा की निरंतरता सुनिश्चित कर वंचित वर्ग को मुख्य धारा में जोड़ने का मुद्दा।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

1b) जिलाधिकारी के रूप में मेरे
उद्देश्य - i) विद्यालय में जातिगत
प्रवेश विभेद को समाप्त करना।
ii) निम्न जाति बच्चों की
शिक्षा की निरंतरता सुनिश्चित
करना।

रणनीति -
i) विद्यालय प्रशासन के साथ
मिलकर उच्च जाति लोगों के
साथ वार्ता की जाएगी कि
जाति आधारित विभेद वर्तमान
आधुनिकता तथा तर्कशीलता के
मूल्यों के अनुरूप नहीं है।
ii) निम्न जाति बच्चों को विद्यालय
से निकालने पर सामाजिक संघर्षों
में वृद्धि होगी। वहीं साथ-
साथ पढ़ने पर आपसी तारतम्य
बढ़ेगा।
iii) साथ ही जातिगत विभेद
संविधान व कानून निषेध है।
अवैध



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

अतः अन्य लोग भी उनका साथ देंगे।

iv) क्षेत्र की स्थानीय संस्थाओं, नागरिक समाज संगठनों, प्रबुद्ध लोगों को भी इस विषय में शामिल कर उच्च जाति लोगों की मनोवृत्ति परिवर्तन का प्रयास किया जाएगा।

v) यदि वे उच्च जाति के लोग मान जाते हैं, तो विद्यालय प्रशासन को कहा जाएगा कि किसी भी प्रकार की भेदभावपूर्ण घटना को रोका जाए, ताकि व्यवस्था बनी रहे।

vi) साथ ही निम्न जाति बच्चों की शिक्षा निरंतरता को अवश्य ध्यान में रखा जाएगा, ताकि उनका बहिष्करण रोका जा सके।

उपरोक्त कार्यविधि से न केवल जातिगत मतभेद समाप्त करने में सफलता मिलेगी, बल्कि प्रशासनिक सामाजिक परिवर्तन को वाहक बनाने की भूमिका भी संपादित की जा सकेगी।



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

10. आप एक सरकारी विभाग के लेखा परीक्षक हैं। आपका पुत्र एक व्यवसाय शुरू कर रहा है और इसके लिये उसे उस बैंक से बड़ी मात्रा में ऋण की आवश्यकता है, जिस बैंक का आप लेखा परीक्षण कर रहे हैं। लेकिन वह अपने अनुपयुक्त सिबिल स्कोर (खराब क्रेडिट रेंटिंग) के फलस्वरूप बैंक से ऋण प्राप्त करने में असमर्थ है। इसके अलावा आप ऋण नहीं ले सकते हैं क्योंकि यह राशि आपकी वेतन सीमा से बहुत अधिक है।

जब आप बैंक के खातों का परीक्षण करते हैं, तो आपको ज्ञात होता है कि इसके तुलन-पत्र में गोपनीय तनावग्रस्त परिसंपत्तियाँ शामिल हैं। हालाँकि बैंक का एक सहायक महाप्रबंधक आपको तुलन-पत्र को संतुलित दिखाने के बदले सहायता का प्रस्ताव रखता है।

(a) उपरोक्त स्थिति में किन मूल्यों के मध्य में संघर्ष की स्थिति है, चर्चा कीजिये।

(b) आपके समक्ष कौन-कौन से विकल्प हैं? प्रत्येक विकल्प के लिये तर्क भी प्रस्तुत कीजिये। (250 शब्द)

You are an auditor with a government department. Your son is starting a business and for that he needs large amount of loan from a bank you are auditing. But he couldn't secure a loan from the bank because of his bad CIBIL score. Moreover, you cannot take the loan as the amount far exceeds your salary range.

When you scrutinize the accounts of the bank, you find that its balance sheet has hidden stressed assets. However, one Assistant General Manager of the bank offers you help in return of a favour that you fudge the balance sheet of the bank.

(a) What are the values in conflict in the above situation?

(b) What are the various options before you? Also provide justification for each of the option. (250 Words) 20

उपरोक्त केस स्टडी हित संघर्ष की परिस्थिति दर्शाती है, जहाँ कार्यकारी हित व व्यक्तिगत हित के बीच द्वंद्व है।

केस स्टडी में निहित—

| हितधारक | हित |
| --- | --- |
| i) मैं (लेखा परीक्षक) | • कार्यकारी हित को प्राथमिकता दी जाए या व्यक्तिगत हित को |
| ii) मेरा पुत्र | • ऋण प्राप्ति हो |

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

iiii) बैंक का सहायक . बैंक के
मददगार वैधक पक्ष में निर्णय
हो।

1a) इस स्थिति में नैतिक मूल्य संघर्ष -

i) व्यावसायिक नैतिकता बनाम स्वहित = व्यावसायिक नैतिकता तटस्थ निष्ठता की माँग करती है; जबकि स्वहित भ्रष्टाचार की तरफ ले जाकर नाखुश प्रदान संभव बनाता है।

ii) सार्वजनिक हित की पूर्ति की जाए या नहीं क्योंकि गोपनीय तनावग्रस्त परिस्थितियाँ बैंक को भविष्य में नुकसान पहुंचा सकती है, जो अंततः ग्राहकों को दुष्प्रभावित करेगी।

1b) उपलब्ध विकल्प -

i) सहायता प्रस्ताव स्वीकार कर लेना।
लाभ - अनावश्यक संघर्ष नहीं।


www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation
उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

2. पुत्र से नौकरी प्राप्ति।

समस्या = व्यावसायिक सत्यनिष्ठा की उपेक्षा।

· भविष्य में जांच होने पर पकड़े जाना।

अतः यह एक संभावित विकल्प मात्र ही प्रतीत होता है। जिसका अनुपालन नहीं किया जा सकता है।

iii) खाद्य कॉन्ट्रैक्ट रेटिंग सुधारने हेतु कहना

लाभ = प्रत्यक्ष सहमति नहीं लेना।

समस्या = वस्तुनिष्ठता का उल्लंघन।

· भ्रष्टाचार का बने रहना।

यह विकल्प भी अनुकरणीय नहीं है।

iiii) सर्वोत्तम विकल्प / रणनीति -

a. वस्तुनिष्ठता के साथ कार्य किया जाएगा। लोपनीय तनाव-पूर्ण परिस्थितियों को रिपोर्ट में अंकित किया जाएगा, ताकि वस्तुस्थिति का ज्ञान ज्ञात हो सके।



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

b. सहायक महाप्रबंधक को कहा जाएगा कि सहायता स्वीकार करना न केवल प्रशासनिक सत्यनिष्ठा के विरुद्ध है, बल्कि कानूनन अपराध भी है। साथ ही ऐसा करने से बैंक को भी भविष्य में क्षति हो सकती है।

c. पुत्र को ऋण न मिल पाने की समस्या के निपटान हेतु खराब क्रेडिट रेटिंग के कारणों का पता लगाया जाएगा, ताकि उनमें सुधार किया जा सके। इससे अल्प समय पश्चात् ऋण प्राप्ति की संभावना बन सकेगी।

d. मेरी वेतन सीमा में आने वाले ऋण की अल्प मात्रा भी व्यवसाय में मदद करेगी।

इससे दोनों हितों के बीच समन्वय बनाया जा सकेगा।



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

11. झारखंड के कई गाँवों ने पत्थलगड़ी का सहारा लिया है- यह अपने गाँव के क्षेत्राधिकार के सीमांकन के लिये पत्थर के स्मारकों की स्थापना की एक आदिवासी परंपरा है। इसमें संविधान की पाँचवीं अनुसूची के तहत अपने क्षेत्रों में स्वायत्तता और स्व-शासन की घोषणा की जाती है।

इन इलाकों में सरकारी कर्मचारियों सहित किसी भी बाहरी व्यक्ति को प्रवेश करने की अनुमति नहीं है।

विभिन्न स्रोतों से यह पता चला है कि आदिवासी, राज्य और केंद्र सरकार से खुश नहीं हैं क्योंकि वे हाशिये पर हैं और उपेक्षित महसूस करते हैं और परंपरागत रूप से अपने नियंत्रण वाले संसाधनों की लूट का अनुभव कर रहे हैं। वे अपनी दुर्दशा के लिये नए कानून और विकासात्मक गतिविधियों को जिम्मेदार ठहराते हैं।

मान लीजिये कि आप एक ऐसे प्रभावित क्षेत्र के ज़िलाधिकारी हैं, जहाँ यह आंदोलन चल रहा है, तो आप लघुकालिक के साथ-साथ दीर्घकालिक आधार पर मुद्दों से निपटने के लिये क्या रणनीति अपनाएंगे? अपनी रणनीतियों के लिये तर्क दीजिये। (250 शब्द)

Several villages in Jharkhand have resorted to Pathalgarhi – a tribal tradition of erecting stone slabs to demarcate the area of their villages' jurisdiction, declaring their autonomy and self-rule in the areas under the Fifth Schedule of the Constitution.

In these localities, no outsider including the government servants are allowed. From various sources, it has come to be known that tribals are not happy with the state and central government as they feel ignored, marginalized and have been experiencing the plunder of their resources on which traditionally they enjoyed control. They hold new laws and developmental activities responsible for their plight.

Suppose you are a DM in one such affected district where this movement is going on, what strategies will you adopt to tackle the issues on short term as well as long term basis. Give justification for your strategies. (250 Words) 20.

उपरोक्त प्रकरण देश के कई लोगों के अभी भी शासन-प्रशासन की मुख्य धारा से जुड़ाव की वंचना को प्रदर्शित करता है। इसलिए कारण असंतोष की स्थिति व्याप्त है।

केस स्टडी में निहित -

— हितधारक
(i) मैं (जिलाधिकारी)

— हित व मुद्दे
· लोगों के व्यवस्था निरंतर



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

को पुनर्निर्मित करना।

iii) आदिवासी लोगों की दुर्दशा का शिकार व प्रशासन को इसके लिए जिम्मेदार मानना।

समस्या समाधान हेतु आवश्यक मूल्य-

i) भावनात्मक समझ।

ii) करुणा।

iii) प्रतिबद्धता।

iv) वस्तुनिष्ठता आदि।

रणनीति -

i) अल्पकालिक-

a. आदिवासी लोगों के नेतृत्व से बात की जाएगी तथा उनकी समस्याओं को सुना जाएगा।

b. आदिवासी कल्याण के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के बारे में बताया जाएगा तथा पंजीयन को बढ़ाने के लिए प्रक्रिया को सरल बनाने पर



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

बदल दिया जाएगा।

c. साथ ही भय व मौजूदा कानूनों के वास्तविक उद्देश्यों से परिचित कराया जाएगा, ताकि स्वायत्तता लाई जा सके।

d. समझाया जाएगा कि विकासात्मक कार्यों का लाभ उन्हें भी मिलेगा यथा- रोजगार, शिक्षा स्वा. सुधार आदि।

e. सरकारी कर्मचारियों सहित बाहरी व्यक्तियों के प्रवेश पर रोक को समाप्त करने तथा संघर्ष न करने हेतु भी कहा जाएगा क्योंकि यह कानूनी तौर पर भी गलत है।

f. उन्हें पांचवीं अनुसूची के तहत प्राप्त लाभों से अवगत कराया जाएगा, ताकि लाभों का समान वितरण हो सके।



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

(2) दीर्घकालिक रणनीति -

a. क्षेत्र में संभावित अवैध गतिविधियों को रोकना, ताकि आदिवासियों के वन संसाधनों पर नियंत्रण को सुनिश्चित किया जा सके जैसे FRA (2006), PESA (1996) आदि।

b. प्रशासन-शासन के साथ संलग्नता बढ़ाना, ताकि शिकायतों की समय पर सुनवाई हो सके तथा असंतोष की भावना को कम किया जा सके।

c. विकास गतिविधियों में भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु कौशल विकास पर बल देना। साथ ही कंपनियों द्वारा CSR के तहत क्षेत्र में विकास खर्च को प्रोत्साहित करना, ताकि आदिवासी जुड़ाव महसूस कर सकें।



इस प्रकार इन उपायों से क्षेत्र की समस्या के समाधान में मदद मिल सकती है जो विकास के साथ भागीदारी को भी संभव बनाएगी।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

12. सिद्धांत और उसका परिवार उसके विवाह समारोह को लेकर बेहद उत्साहित थे, क्योंकि बहुत लंबे समय के बाद उनके परिवार में कोई विवाह हो रहा था। लेकिन जैसे ही सिद्धांत विवाह स्थल पर पहुँचा, उसने देखा कि वधु पक्ष द्वारा बुलाए गए बैंड में कई बाल मज़दूर शामिल थे। उत्साहित सिद्धांत अचानक एक अंतर्द्वंद्व झेलते सिद्धांत में बदल गया, क्योंकि एक श्रम आयुक्त होने के नाते यह उसका कर्तव्य था कि वह विधि के इस उल्लंघन को रोके। उसने इस पर मनन किया और एक नए बैंड की व्यवस्था करने, बैंड के मालिक को इस तरह के आचरण में संलग्न होने के लिये नोटिस देने और उसके विरुद्ध मामला दर्ज कराने, जैसे कई विकल्पों पर विचार किया। परंतु सिद्धांत यह सोचते हुए अंततः विवाह के लिये आगे बढ़ गया कि यह उसके जीवन के सबसे महत्त्वपूर्ण दिन को बर्बाद कर देगा।

(a) क्या सिद्धांत अपने आचरण में सही था?

(b) यदि आप सिद्धांत की जगह होते तो उसके द्वारा विचारित विकल्पों में से आपने किसका चयन किया होता? (250 शब्द)

Siddhant and his family were very excited about his marriage ceremony, as after a very long time a marriage was taking place in their family. But as soon as Siddhant reached marriage venue, he saw that the band arranged by the bride's side had many child laborers who were involved with the band. Excited Siddhant suddenly turned into a conflicted Siddhartha, as being a labor commissioner it was his duty to stop such violation of law. He pondered over it, and thought of many options like arranging a new band immediately, giving notice to the band owner for engaging in such conduct and filing a case against them. But, Siddhant ultimately proceeded with the wedding thinking that it will ruin the most important day in his life.

(a) Was Siddhant right in his conduct?

(b) If you would have been in place of Siddhant, amongst the options pondered by him what would have been your course of action? (250 Words) 20

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उपरोक्त प्रकरण कार्यकारी हित तथा व्यक्तिगत हित के बीच संघर्ष को प्रदर्शित करता है। जहाँ कार्यकारी उद्देश्य को प्रतिपादक मानने का उल्लेख किया गया है।

प्रकरण में निहित -

- हितधारक
- नैतिक मुद्दे

(i) सिद्धांत व ~~प्रशासक~~ परिवार

• नैतिक संघर्ष से निपटना।



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

iii) सिद्धांत का परिवार : विवाह संपन्न कराना।

iiii) बैंड मालिक : कोई कार्यवाही न हो।

(b) एक आयुक्त होने के नाते सिद्धांत का कर्तव्य बाल श्रम के किसी भी रूप को रोकना है। बाल श्रम गतिविधि न केवल अनैतिक बल्कि असंवैधानिक भी है। परंतु सिद्धांत ने विधि उल्लंघन की बजाय विवाह कार्य को प्राथमिकता दी। इससे न केवल कार्यकारी नैतिकता का ह्रास हुआ, बल्कि बाल श्रम को लेकर लोगों की मनोवृत्ति में परिवर्तन का अवसर भी जाता रहा। साथ ही बैंड मालिक को भी ऐसी गतिविधियों में संलग्न रहने के लिए प्रोत्साहन मिला।



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

साथ ही सिद्धांत की
जटिल परिस्थितियों में सही निर्णय
लेने की असमता भी प्रकट होती है।
अतः इस आचरण को उचित नहीं
माना जा सकता है।

(b) मेरे द्वारा निम्नलिखित रणनीति
का पालन किया जाता -

(i) बैंड मालिक को इस तरह के
आचरण में संलग्न होने के लिए
नोटिस देकर जवाब माँगा जाता
तथा असंतोषजनक जवाब
मिलने पर मामला दर्ज कराया
जाता, ताकि विधि का पालन
सुनिश्चित हो सके।

(ii) बैंड की उपस्थिति विवाह हेतु
अनिवार्य घटक नहीं है अतः
इस पर विचार नहीं किया जाएगा
कि विवाह पद्धति पर कुछ
प्रभाव पड़ेगा।



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(iii) साथ ही बाल श्रम की मौजूदगी में विवाद होने पर यह घटना जीवनभर कार्यकारी नैतिकता के उल्लंघन का बोध कराती, जो कि अधिक दुखदायी होता।

(iv) नियमानुसार कार्रवाई करने से इस दिन को और भी यादगार बनाना संभव हो सकता है जो भविष्य में भी हित - संघर्ष के मामलों में निर्देशित करेगा।

उपरोक्त कार्रवाई से न केवल बालश्रम जैसी सामाजिक बुराई के उन्मूलन हेतु कठोर संदेश जाएगा, बल्कि व्यक्तिगत तौर पर मूल्य पालन का भी सुख मिलेगा।



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

13. एक भारतीय शहर में अपशिष्ट निपटान और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के मामले में नगर निकाय के अधिकारियों के सुस्त रवैये को लेकर लोगों ने विरोध-प्रदर्शन किया। अधिकारियों के रवैये ने न केवल शहर की स्वच्छता को प्रभावित किया है, बल्कि यह कई प्रकार के रोगों, वायु प्रदूषण, प्रतिकूल व्यापार वातावरण आदि का कारण बन गया है। शहरों में साफ-सफाई और स्वच्छता पर कार्यरत एक गैर-सरकारी संगठन द्वारा एक जनहित याचिका दायर की गई। विषय की खेदजनक स्थिति को देखते हुए, न्यायालय ने नगर आयुक्त को शहर में अपशिष्ट प्रबंधन के लिये किये गए उपायों के संबंध में तीन माह के अंदर प्रगति रिपोर्ट देने का आदेश दिया है। मान लीजिये कि आप नगर आयुक्त हैं तो न्यायालय के आदेश पर अपनी प्रतिक्रिया की चर्चा कीजिये। (250 शब्द)

Lacklustre attitude of municipal authorities in garbage disposal and solid waste management in an Indian city has led to protest by people. This state of affair has not only affected the city's hygiene but has also become a cause of multiple types of diseases, air pollution, unfriendly business environment, etc. A PIL has been filed by an NGO working for cleanliness and hygiene in cities. Seeing the sorry state of affairs, the court has ordered the City Commissioner to give a progress report within three months about the measures taken for proper disposal of garbage and solid waste management in the city. Suppose you are the City Commissioner then discuss your response to the court's order. (250 Words) 20

उपरोक्त प्रकरण अपशिष्ट प्रबंधन तथा स्वच्छता के प्रति अग्रसक्रिय तथा व्यावहारिक दृष्टिकोण की कमी का प्रकटन करता है।

प्रकरण में निहित-

हितधारक — हित व मुद्दे-

(i) मैं (नगर आयुक्त) • अपशिष्ट निपटान व्यवस्था को दुरुस्त करना।

(ii) गैर सरकारी संगठन • शहर में स्वच्छता व्यवस्था बनाए रखना।



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

iii) नगर निकाय के अधिकारी : यथास्थिति बनी रहे।

iv) न्यायालय : स्वच्छता स्तर में सुधार हो।

नगर आयुक्त के रूप में स्थिति सुधार हेतु आवश्यक मूल्य -

i) प्रतिबद्धता।
ii) भावनात्मक समझ।
iii) नेतृत्व।
iv) प्रोत्साहन आदि।

रणनीति -

i) न्यायालय के आदेशानुसार अपशिष्ट निपटान व प्रबंधन व्यवस्था में सुधार हेतु प्रयास किए जाएँगे।

ii) सर्वप्रथम नगर निकाय के अधिकारियों से वार्ता की जाएगी तथा उन्हें उनके कर्तव्यों की याद दिलाई जाएगी।



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

साथ ही कर्तव्य पालन की अवहेलना के मामलों में कार्रवाई की भी सूचना प्रसारित की जाएगी।

(iii) आवश्यक संकुलेशन जारी कर सभी अधिकारियों को अपना कार्य सद्भावना से करने की हिदायत भी दी जाएगी।

(iv) अपशिष्ट एकत्रण व संग्रहण प्रक्रिया को दुरुस्त किया जाएगा, ताकि स्वच्छता को सुनिश्चित किया जा सके।

(v) अपशिष्ट निपटान स्थलों पर आवश्यक मूलभूत संरचना - भूमि, तकनीक आदि की उपलब्धता को प्राप्त किया जाएगा, ताकि निपटान क्षमता में वृद्धि व दक्षता द्वारा अधिकाधिक कचरे का निपटान हो सके।

(vi) लोगों को भी मीडिया, गो-


www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

सामाजिक संगठनों के माध्यम से जागरूक किया जाएगा कि कचरा कम से कम उत्पादित करें तथा स्रोत से पृथक्कीकरण करें, ताकि निपटान प्रक्रिया तीव्र हो सके।

(vii) शहरी ठोस अपशिष्ट प्रबंधन अधिनियम (2011) के प्रावधानों को प्रभावी रूप से लागू किया जाएगा, ताकि व्यवस्था सुचारु रूप से चल सके।

(viii) उत्पन्न रोगों, प्रतिकूल व्यापार वातावरण के शमन के भी प्रयास किए जाएँगे, ताकि दुष्प्रभावों को कम किया जा सके। जैसे स्वास्थ्य संरचना को दुरुस्त करना।

इससे न्यायालयी आदेश की पालना के साथ ही पर्यावरण को स्वच्छ बनाने का कार्य पूर्ण हो सकेगा।


www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation